''उत्तर प्रदेश की जेल में बन्द एड्स रोगियों की करूण दास्तान''

डॉ0 मान सिंह

भारत में 1401 जेल है जिनमें कैदियों के रहने की कुल क्षमता 356561 है जबकि रहने वाले कैदियों की संख्या 418536 है, अकेले उत्तर प्रदेश के 70 जेलों में 99 हजार कैदी हैं। (31 जनवरी 2018 तक) इन्हीं कैदियों में 356 ऐसे कैदी हैं, जो जानलेवा संक्रमित बीमारी एड्स से पीड़ित है। भारत में 15–24 वर्ष के युवा एड्स से ग्रसित हैं जिनका कुल रोगियों 21 लाख में से 25 प्रतिशत है जो सम्पूर्ण विश्व में तीसरे स्थान पर है। प्रस्तुत शोध में छोटे–मोटे अपराध में बन्द एड्स रोगियों की करूण दास्तान का वर्णन किया गया है, कैसे अपने पराये हो जाते हैं और इनकी दर्द को सुनने वाला कोई नहीं है। प्रस्तुत अध्ययन लोगों की मनोभावों के साथ कई चौकाने वाले तथ्यों का खुलासा करता है। जब मृत्यु निश्चित हो जाती है और निकट आ जाती है तब मनुष्य में किसी प्रकार का लालच, भेदभाव नहीं रह जाता है। इनकी तड़प एवं वेदना को आसानी से समझा जा सकता है। प्रकृति की यह व्यवस्था है कि जब कोई छोड़ देता है तो उसे कोई दूसरा अपना लेता है।